16725

स्नातक उपाधि कार्यक्रम

सत्रांत परीक्षा

जून, 2016

बी.एच.डी.ई-101/ई.एच.डी.-1 : ऐच्छिक पाठ्यक्रम : हिन्दी गद्य

समय : 3 घण्टे *अधिकतम अंक : 100*

***नोट :** कुल **पाँच** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। **प्रथम** प्रश्न **अनिवार्य** है।*

1. निम्नलिखित गद्यांशों में से **किन्हीं तीन** की प्रसंग सहित व्याख्या कीजिए : **12x3=36**

(a) दोनों दोस्तों ने कमर से तलवारें निकाल लीं। नवाबी जमाना था, सभी तलवार, पेशक़ब्ज, कटार वगैरह बाँधते थे। दोनों विलासी थे, कायर न थे। उनमें राजनीतिक भावों का अध:पतन हो गया था - बादशाह के लिए, बादशाहत के लिए क्यों मरें, पर व्यक्तिगत वीरता का अभाव न था। दोनों ने पैंतरे बदले, तलवारें चमकीं, छपाछप की आवाजें आयीं दोनों जख्म खाकर गिरे, और दोनों ने वहीं तड़प-तड़पकर जानें दे दीं। अपने बादशाह के लिए जिनकी आँखों में एक बूँद आँसू न निकला, उन दोनों प्राणियों ने शतरंज के वजीर की रक्षा में प्राण दे दिये।

(b) अभागिनी को अच्छा घर-वर कहाँ मिलता। अब तो किसी भाँति सिर का बोझा उतारना था, किसी भाँति लड़की को पार लगाना था - उसे कुएँ में झौंकना था। यह रूपवती है, गुणशीला है, चतुर है। कुलीन है, तो हुआ करे, दहेज नहीं तो उसके सारे गुण दोष है; दहेज हो तो सारे दोष गुण है। प्राणी का कोई मूल्य नहीं, केवल दहेज का मूल्य है। कितनी विषम भाग्यलीला है।

(c) मुझे जिस जीवन का मोह है, राजकुमारी, वह दिन और घड़ियों में बँटा हुआ जीवन नहीं है। उस मोह के लिए आप मुझे नहीं नचा सकती। परंतु मैं आपके दिये हुए मूल्य का दावा मानती हूँ। उस मूल्य से खरीदी हुई नर्तकी अवश्य नाचेगी।

(d) विवाह की विधि ने देवी ध्रुवस्वामिनी और रामगुप्त को एक भ्रांतिपूर्ण बंधन में बाँध दिया है। धर्म का उद्देश्य इस तरह पद दलित नहीं किया जा सकता। माता और पिता के प्रमाण के कारण से धर्म-विवाह केवल परस्पर द्वेष से टूट नहीं सकते; परंतु यह संबंध उन प्रमाणों से भी विहीन है।... यह रामगुप्त मृत और प्रवर्जित तो नहीं, पर गौरव से नष्ट, आचरण से पतित और कर्मों से राजकिल्विषी क्लीव है। ऐसी अवस्था में रामगुप्त का ध्रुवस्वामिनी पर कोई अधिकार नहीं।

(e) एक बूढ़ा था। उसने कहा था - बाहर नहीं, भीतर की ओर देखो। हिंसा को मन से दूर करो, मिथ्या को हटाओ। क्रोध और द्वेष को दूर करो, लोक के लिए कष्ट सहो। आराम की बात मत सोचो, प्रेम की बात सोचो; आत्म-तोषण की बात सोचो, काम करने की बात सोचो। उसने कहा-प्रेम ही बड़ी चीज है, क्योंकि वह हमारे भीतर है।

2. खड़ी बोली हिंदी गद्य के उदय और विकास पर प्रकाश डालिए। 16

3. 'उसने कहा था' कहानी की कथावस्तु की विवेचना कीजिए। 16

4. 'निर्मला' उपन्यास की नायिका का चरित्र-चित्रण कीजिए। 16

5. 'रीढ़ की हड्डी' एकांकी के प्रतिपाद्य का उल्लेख कीजिए। 16

6. स्त्री-पुरुष संबंधों के परिप्रेक्ष्य में 'ध्रुवस्वामिनी' की कथावस्तु की विशेषताएँ बताइए। 16

7. हिंदी कथेतर गद्य की प्रमुख विधाओं का परिचय दीजिए। 16

8. 'नाखून क्यों बढ़ते हैं?' निबंध की विशेषताओं पर प्रकाश डालिए। 16

9. 'घीसा' संस्मरण और पटकथा की रचनागत विशेषताओं की तुलना कीजिए। 16

10. निम्नलिखित में से **किन्हीं दो** पर टिप्पणियाँ लिखिए : **8x2=16**

(a) जीवनी और आत्मकथा

(b) 'ध्रुवस्वामिनी' की भाषा

(c) 'कौमुदी महोत्सव' की रंगमंचीयता

(d) 'स्वर्ग में विचारसभा का अधिवेशन' का प्रतिपाद्य

(e) 'शतरंज के खिलाड़ी' का परिवेश

(f) 'निर्मला' की शैली